शब्दबाणों का प्रहार

सिवनी

राष्ट्रबाण

संपादकः संजय बघेल

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

गुरुवार 3 अप्रैल 2025 • वर्ष : 10 • अंक : 23 • पृष्ठ : 08 • मूल्य : 5.00 रुपए

www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

सिद्धिविनायक मंदिर की कमाई में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी

मुंबई। मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर की कमाई में 16त्न की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2024-25 में मंदिर की कुल आय 133 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो कि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में काफी अधिक है। मंदिर प्रशासन के मुताबिक, दान-पेटी, ऑनलाइन दान, पूजन-हवन, प्रसाद की बिक्री और सोने-चांदी की नीलामी से आय हुई। मंदिर ट्रस्ट की सीईओ वीणा पाटिल ने बताया कि भक्तों की संख्या में बढ़ोतरी और प्रशासनिक सुधारों के कारण आय बढ़ी है। नए वित्त वर्ष 2025-26 में 154 करोड़ रुपये की कमाई का अनुमान लगाया गया है।

व्यक्ति ने अपनी सास-साली और बेटी की गोली मारकर हत्या की

बेंगलुरु। कर्नाटक के चिक्कमगलुरु जिले के मगलू गांव में रत्नाकर गौड़ा (40) नाम के व्यक्ति ने अपनी सास ज्योति (50), साली नादिनी सिंधु (24) और बेटी मौल्या (6) की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके अलावा साली के पति अविनाश को भी गोली मारी, जो उसके पैर में लगी। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार रात 10 बजे की है। आरोपी ने घटना को अंजाम देने के बाद खुद भी गोली मारकर सुसाइड कर लिया। घटना को अंजाम देने के पहले आरोपी ने खुद का वीडियो बनाया था। जिसमें उसने ससुराल पक्ष पर धोखा देने का आरोप लगाया था। साथ ही कहा था कि उसकी पत्नी दो साल से उससे दूर रह रही है।

दिशा के पिता की याचिका- मामले की जांच सीबीआई करे

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को दिवंगत सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियान के पिता सतीश की याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस नीला गोखले रजिस्ट्री विभाग को मामले को उचित बेंच के पास रखने का निर्देश दिया। दिशा के पिता सतीश ने अपनी बेटी की मौत की सीबीआई जांच करने और विधायक आदित्य ठाकरे के खिलाफ एफआईआर की मांग की है। बेंच ने कहा- याचिका महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित है।

कर्नाटक में तेज रफ्तार कार पलटी; तीन मौत

चित्रदुर्ग। कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में मंगलवार सुबह तेज रफ्तार कार के पलटने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हो गए। यह दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-150ए (ह्न॥-150) पर हुई, जिसका वीडियो पास के कैमरे में कैद हो गया।

कानून हर किसी को मानना पड़ेगा: शाह

वक्फ संशोधन बिल पर लोकसभा में चर्चा, शाह बोले- वोट बैंक के लिए माइनोरिटीज को डराया जा रहा

नई दिल्ली। राष्ट्रबाण

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को वक्फ संशोधन बिल 2024 लोकसभा में पेश किया। किरण रिजिजू ने इसे उम्मीद (यूनीफाइड वक्फ मैनेजमेंट इम्पावरमेंट, इफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट) नाम दिया है। बिल को केंद्र की सरकार में शामिल टीडीपी, जेडीयू और एलजेपी ने समर्थन दिया। शिवसेना यूबीटी सांसद अरविंद सांसद ने अपने भाषण में ये क्लियर नहीं किया कि वे बिल के पक्ष में है या विरोध में।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- वक्फ में गैर इस्लामिक नहीं आएगा। ऐसा कोई प्रोविजन भी नहीं है। वोट बैंक के लिए माइनोरिटीज को डराया जा रहा है। शाह ने कहा- एक सदस्य ने कह दिया कि यह बिल माइनॉरिटीज स्वीकार नहीं करेगी। क्या धमकी दे रहे हो भाई। संसद का कानून है, स्वीकार करना पड़ेगा। बिल पर चर्चा में रिजिजू ने 58 मिनट अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली क्रसरकार ने 5 मार्च 2014 को 123 प्राइम प्रॉपर्टी को दिल्ली वक्फ बोर्ड को ट्रांसफर कर दीं। ऐसा लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अल्पसंख्यक वोटों के लिए किया गया, पर चुनाव हार गए।

रिजिजू ने कहा- अगर हमने आज यह संशोधन बिल पेश नहीं किया होता, तो जिस इमारत में हम बैठे हैं, उस पर भी वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा सकता था। अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार सत्ता में नहीं आती तो कई अन्य संपत्तियां भी गैर-अधिसूचित हो गई होतीं। भाजपा सांसद ने कहा- वक्फ के खौफ से भारत के लोग आजादी चाहते हैं।

शाह बोले- कानून भारत सरकार का है, इसे मानना होगा

शाह ने कहा- आपके हिसाब से चर्चा नहीं होगी। इस सदन में हर सदस्य बोलने के लिए स्वतंत्र है। किसी परिवार की नहीं चलती है, जनता के नुमाइंदे हैं और चुनकर आए हैं। कोई भी फैसला देश की अदालत की पहुंच से बाहर नहीं रखा जा सकता। जिसकी जमीन हड़प ली गई वो कहां जाएगा। आपने अपने फायदे के लिए किया था और हम खारिज करते हैं।

एक सदस्य ने कह दिया कि यह माइनॉरिटीज स्वीकार नहीं करेगी। क्या धमकी दे रहे हो भाई। संसद का कानून है, स्वीकार करना पड़ेगा। यह कानून भारत सरकार का है और इसे आपको स्वीकार करना होगा।

शाह बोले- हम वोट बैंक के लिए कानून नहीं लाएंगे

शाह बोले- भाजपा का स्पष्ट सिद्धांत है कि हम वोट बैंक के लिए कानून नहीं लाएंगे। कानून न्याय के लिए होता है। ये बोले कि कैसे कैसे कानून ला रहे हैं। 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं को, ये कानून इसी सरकार में आया। गरीबों को गैस, शौचालय, पानी, 5 लाख तक का बीमा, बिजली और घर दिए गए। सबसे पहला कन्वर्जन कानून मध्य प्रदेश और ओडिशा में कांग्रेस लाई, तब महात्मा गांधी के आदर्शों पर चलती थी कांग्रेस। मुझे गर्व है कि हमारी सरकारें कन्वर्जन के खिलाफ कानून लाई।

• वक्फ की 500 एकड़ जमीन किराए पर दी गई

शाह ने कहा- 250 हेक्टेयर वाले 12 गांवों पर तमिलनाडु में वक्फ का स्वामित्व हो गया। मंदिर की 400 एकड़ जमीन को वक्फ की संपत्ति घोषित कर दिया। कर्नाटक में एक रिपोर्ट पढ़ रहा हूं। 29 हजार एकड़ भूमि वक्फ की, किराए के लिए दे दी बेंगलुरु में 602 एकड़ जमीन को जब्त करने से रोकने के लिए हाईकोर्ट को बीच में आना पड़ा। 500 एकड़ जमीन 5 स्टार होटल को 12 हजार महीना किराए पर दे दी।

• लालू प्रसाद यादव की इच्छा मोदी ने पूरी की

शाह ने कहा- 2013 में लालू प्रसाद जी कहा था- सरकार ने संशोधन विधेयक किया। उसका स्वागत है। आप देखिए सारी जमीनें हड़प ली गई हैं। वक्फ में काम करने वाले लोग, प्राइम जमीन को वो बेच दिए हैं। पटना में ही डाक बंगला हड़प लिया। हम चाहते हैं कि आप भविष्य में कड़ा कानून लाइए और चोरी करने वालों को जेल में भेजिए। लालूजी की इच्छा इन्होंने तो पूरी नहीं की, मोदीजी ने पूरी कर दी।

• नए वक्फ पारदर्शी रूप से रजिस्टर्ड कराने होंगे

शाह बोले- हमने रेवेन्यू का मामला कम कर दिया। 7 फीसदी से 5 फीसदी कर दिया। ये गलत समझ रहे हैं, ये पैसा वक्फ के काम आएगा। कोई मस्जिद बन रही है तो ज्यादा पैसा मिलेगा। आदिवासियों, एएसआई, निजी संपत्ति सुरक्षित होगा। वक्फ करने के लिए स्वामित्व होना जरूरी है। पारदर्शिता के लिए सूचना की प्रक्रिया को अपनाना होगा। नए वक्फ पारदर्शी रूप से रजिस्टर्ड कराने होंगे।

इतनी बड़ी भाजपा, अध्यक्ष नहीं चुन पा रही : अखिलेश

शाह ने कहा- हमारे करोड़ों मेंबर्स, आपको देर नहीं लगेगी, जाओ 25 साल अध्यक्ष रहो

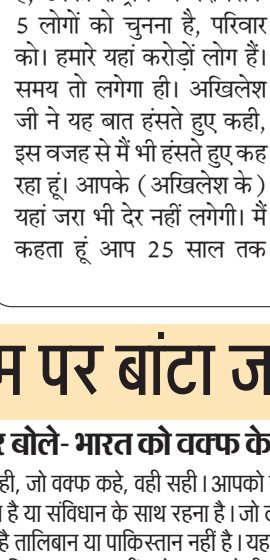

लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में हो रही देरी पर तंज कसा। अखिलेश ने कहा- भाजपा में एक मुकाबला चल रहा है कि कौन बड़ा है। जो पार्टी यह कहती हो कि वह दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है, वह यह नहीं तय कर पा रही कि पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा।

इस पर गृह मंत्री अमित शाह अपनी सीट से उठे और हंसते हुए कहा- सामने जितनी पार्टियां हैं, उनका राष्ट्रीय अध्यक्ष सिर्फ 5 लोगों को चुनना है, परिवार को। हमारे यहां करोड़ों लोग हैं। समय तो लगेगा ही। अखिलेश जी ने यह बात हंसते हुए कही, इस वजह से मैं भी हंसते हुए कह रहा हूं। आपके (अखिलेश के) यहां जरा भी देर नहीं लगेगी। मैं कहता हूं आप 25 साल तक अध्यक्ष हो.. जाओ..। इसके बाद अखिलेश ने हंसते हुए फिर कहा- अभी जो यात्रा हुई है नागपुर की और गुपचुप जो सोशल मीडिया पर चल रही है। वह 75 साल के एक्सटेंशन की यात्रा तो नहीं है।

• बिरला बोले- अखिलेश जी, वक्फ के मुद्दे पर भी आ जाओ

अखिलेश यादव अपनी बात रखते कभी महाकुंभ तो कभी नोटबंदी पर बोलने लगे। इसके बाद महंगाई, गंगा सफाई और किसानों की समस्याएं बताने लगे। उन्हें इन मुद्दों पर बोलते-बोलते 5 मिनट हो गया, तभी एस पीकर ओम बिरला को टोकना पड़ा। कहा- अखिलेश जी, वक्फ के मुद्देपर भी आ जाओ।

• राजीव रंजन बोले- पिछलग्गू पार्टी के नेता का बयान वायरल

जेडीयू सांसद और केंद्र सरकार में पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा- ये नैरेटिव बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि ये बिल मुसलमान विरोधी है। ये बिल कहीं से मुसलमान विरोधी नहीं है। उन्होंने कहा- कांग्रेस की पिछलग्गू पार्टी के नेता का बयान वायरल हो रहा है।

केसी वेणुगोपाल बोले- भारत माता को धर्म के नाम पर बांटा जा रहा

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा- हमारे यहां भारत माता को धर्म के नाम पर बांटा जा रहा है। रिजिजूजी इस बिल में आप नॉन मुस्लिम को बोर्ड में ला रहे हैं। वैष्णो देवी टेम्पल एक्ट में कहा गया है कि लेफ्टिनेंट गवर्नर चेयरमैन होगा, अगर वो हिंदू नहीं है तो किसी को नॉमिनेट कर सकता है। मैं इसका समर्थन कर सकता हूं। आप वक्फ बोर्ड के साथ भेदभाव क्यों कर रहे हैं। वक्फ बोर्ड भी धार्मिक है। केरल में देवस्थानम बोर्ड में विधायक किसी को नॉमिनेट कर सकता है, वो विधायक हिंदू होगा।

मुस्लिम नहीं होगा। किसी मुस्लिम और क्रिश्चियन विधायक के पास ये अधिकार नहीं है कि देवस्थानम बोर्ड के मेंबर को चुने।

ठाकुर बोले- भारत में अंबेडकर का संविधान चलेगा, मुगलिया फरमान नहीं

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर बोले- भारत को वक्फ के खौफ से आजादी चाहिए

खाता न बही, जो वक्फ कहे, वही सही। आपको तय करना है कि आपको वक्फ के साथ रहना है या संविधान के साथ रहना है। जो लोग बड़ी बातें कर रहे थे, ये हिंदुस्तान है तालिबान या पाकिस्तान नहीं है। यहां बाबा साहेब अंबेडकर का संविधान चलेगा, मुगलिया फरमान नहीं चलेगा। हम ऐसी समानांतर सत्ता का चुनौती दे रहे हैं, जो दशकों से अस्तित्व में है। भारत के संविधान का कानून चलेगा और उससे ऊपर कुछ भी नहीं है।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड बोला- बिल पास हुआ तो देशभर में आंदोलन करेंगे

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने के प्रवक्ता डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने कहा, अगर यह बिल संसद में पास हो जाता है, तो हम इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे। हम शांतिपूर्ण आंदोलन चलाएंगे।

शाह बोले- कानून पर अमल नोटिफिकेशन के बाद होगा: शाह ने कहा- इस बिल से पारदर्शी ऑडिट होगा, बैलेंसशीट देखी जाएगी, पारदर्शिता से क्यों बचना चाहिए। आपने किया था कि वक्फ का आदेश को चुनौती ही नहीं दी जा सकती। हमने किया कि कोई भी अदालत में इसे चैलेंज कर सकता है।

इसमें साफ किया है कि कानून पर अमल नोटिफिकेशन के बाद होगा। एक बात बताओ कि मंदिर के लिए जमीन खरीदनी है तो मालिक कौन होगा, ये कौन तय करेगा, कलेक्टर ही तय करेगा। वक्फ की जमीन किसकी है, यह जांच कलेक्टर करे तो आपत्ति क्या है। ढेर सारे चर्च बने हैं, गुरुद्वारे हैं. सरकारी संपत्ति पर नहीं बने हैं।

शाह के दौरे से पहले नक्सली शांति वार्ता को तैयार

सेंट्रल कमेटी बोली-सरकार ऑपरेशन रोके, युद्धविराम कर देंगे, गृहमंत्री विजय बोले-सरकार बातचीत के लिए तैयार

जगदलपुर। राष्ट्रबाण

अमित शाह के बस्तर दौरे से पहले ही नक्सली शांति वार्ता करने के लिए तैयार हो गए हैं। नक्सलियों के केंद्रीय समिति के प्रवक्ता अभय ने एक पर्चा जारी किया है। अभय ने लिखा कि, पिछले 15 महीनों में उनके 400 साथी मारे गए हैं। अगर नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन रुकती है, तो हम शांति वार्ता के लिए तैयार हैं। इस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार किसी भी प्रकार की सार्थक वार्ता के लिए तैयार है। बशर्ते इसके लिए कोई शर्त न हो। नक्सली वास्तव में मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं तो उन्हें वार्ता की शर्तों को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करना होगा।

शर्मा ने कहा कि वार्ता का स्वरूप आईएसआईएस जैसी किसी कट्टरपंथी विचारधारा की तर्ज पर नहीं हो सकता। अगर कोई चर्चा करना चाहता है, तो उसे भारतीय संविधान की मान्यता स्वीकार करनी होगी। संविधान को नकारते हैं और समानांतर व्यवस्था थोपने की कोशिश करते हैं, तो वार्ता का कोई औचित्य नहीं रहता।

दरअसल, नक्सली नेता अभय ने तेलगु भाषा में पर्चा जारी किया है। इसमें लिखा है कि, 24 मार्च को हैदराबाद में संगठन की एक बैठक हुई थी। जिसमें बिना किसी शर्त के शांति वार्ता के लिए आगे आने और बातचीत कर युद्धविराम की घोषणा करनी चाहिए इस पर बात हुई।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़, दो महिला नक्सली ढेर

दोनों पर 14-14 लाख का इनाम था; एक एसएलआर और एक भरमार बंदूक मिली

मंडला। राष्ट्रबाण

मध्यप्रदेश के मंडला जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, इसमें दो महिला नक्सली मारी गई हैं। मुठभेड़ बुधवार सुबह करीब 6 बजे बिछिया थाना क्षेत्र के मुंडिदादर और गन्हेरिदादर के जंगल में हुई। सर्चिंग के दौरान मुठभेड़ स्थल से एक एसएलआर, एक भरमार बंदूक, वायरलेस सेट और दैनिक जरूरत का सामान मिला है। पुलिस के मुताबिक, मारी गई नक्सलियों में से एक छत्तीसगढ़ और दूसरी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले की रहने वाली है। दोनों पर 14-14 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

बालाघाट में मार गिराई थीं चार महिला नक्सली

इससे पहले 19 फरवरी को बालाघाट के गढ़ी थाना इलाके में हुई मुठभेड़ में चार महिला नक्सली मारी गई थी। ये सभी कान्हा भोरमदेव एबी डिवीजन खटिया मोर्चा दलम की सदस्य थी। इनमें से एक आशा पर 14 लाख का इनाम था।

एलओसी पर 5 घुसपैठिए मार गिराए

सेना बोली- कृष्णा घाटी की घटना; पाकिस्तान ने फायरिंग कर संघर्ष विराम तोड़ा

श्रीनगर। एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर सेना ने 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया। हालांकि, इसे लेकर सेना का आधिकारिक बयान नहीं आया है। घटना मंगलवार शाम को पुंछ में नियंत्रण रेखा पर कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई। एलओसी से सटे इलाके में 3 माइन ब्लास्ट हुए और पाकिस्तान की ओर से फायरिंग भी हुई थी। दावा है कि इसी समय आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। भारतीय सेना ने जवाबी फायरिंग की थी। जिसमें 4 से 5 घुसपैठियों मारे गए।

फायरिंग और ब्लास्ट को लेकर सेना से बात की। सेना ने कहा- एक अप्रैल को एलओसी के उस पार से पाकिस्तानी सेना ने घुसपैठ की कोशिश की। इसके कारण कृष्णा घाटी सेक्टर में एक माइन ब्लास्ट हुआ। पाकिस्तानी सेना ने बिना उकसावे के फायरिंग की और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया।

सेना ने कहा- हमारे सैनिकों ने फायरिंग का जबाव दिया। स्थिति नियंत्रण में है और इस पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। भारतीय सेना एलओसी पर शांति बनाए रखने के लिए साल 2021 के डीजीएसएमओ समझौते को बनाए रखने की अपील करती है। इधर कठुआ में सुरक्षाबलों का 2 आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन जारी है। राजौरी जिले में सुंदरबनी के सिया बदराई इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान तलाया जा रहा है। यह इलाका बॉर्डर से सटा हुआ है।

गवर्नमेंट डॉक्टर की मंजूरी लेनी होगी; अंगदान को बढ़ावा देने के लिए केंद्र का फैसला

ऑर्गन डोनेशन पर सरकारी कर्मचारियों को 42 दिन की छुट्टी

नई दिल्ली। राष्ट्रबाण

केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए ऑर्गन डोनेशन (अंगदान) पर 42 दिन की स्पेशल कैजुअल लीव देने का प्रावधान किया है। लोकसभा में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस संबंध में जानकारी दी।

यह छुट्टी सर्जरी के टाइप पर निर्भर नहीं करेगी और इसे सरकारी डॉक्टर की सिफारिश पर अधिकतम 42 दिनों तक लिया जा सकता है। यह आमतौर पर अस्पताल में भर्ती होने के दिन से शुरू होगी, लेकिन जरूरत पड़ने पर सर्जरी से एक सप्ताह पहले भी ली जा सकती है।

यह प्रावधान 2023 में कार्मिक मंत्रालय के आदेश के तहत लागू किया गया था, जिससे ऑर्गन डोनेशन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

1 अप्रैल 2025 से सरकारी कर्मचारियों के लिए न्यू पेंशन स्कीम लागू इसके न्यू पेंशन स्कीम के तहत अगर किसी कर्मचारी ने 25 साल नौकरी की है, तो रिटायरमेंट के पहले नौकरी के आखिरी 12 महीने की बेसिक सैलरी का 50 प्रतिशत अमाउंट भी पेंशन के तौर पर मिलेगा।

सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाली प्रमुख सुविधाएं

- **स्वास्थ्य सुविधाएं:** सीजीएचएस के तहत सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवार को सस्ते दरों पर इलाज, दवाएं और अस्पताल में भर्ती की सुविधा मिलती है। रिटायरमेंट के बाद भी सीजीएचएस की सुविधा का लाभ उठाया जा सकता है।
- **मेडिकल लीव और मैटरनिटी बेनिफिट्स:** महिलाओं को 6 महीने की मैटरनिटी लीव और पुरुषों को 15 दिन की पैटरनिटी लीव दी जाती है। गंभीर बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में लंबी मेडिकल लीव की सुविधा
- **पेंशन और ग्रेच्युटी:** सरकारी कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद पेंशन, ग्रेच्युटी और पीएफ की सुविधा। न्यू पेंशन स्कीम के तहत हर महीने वेतन से कुछ पैसे कटते है, जिसे रिटायरमेंट के बाद पेंशन के रूप में दिया जाता है।
- **हाउसिंग और ट्रैवल बेनिफिट्स:** सरकारी कर्मचारियों को एलटीसी के तहत हर 4 साल में एक बार हवाई/रेल यात्रा पर रियायत मिलती है। सरकारी क्वार्टर या हाउस रेंट अलाउंस की सुविधा दी जाती है।
- **शिक्षा और बच्चों की स्कॉलरशिप:** कर्मचारियों के बच्चों को पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप और एजुकेशन अलाउंस दिया जाता है। केंद्रीय विद्यालयों में सरकारी कर्मचारियों के बच्चों को एडमिशन में प्राथमिकता दी जाती है।
- **स्पेशल छुट्टियां और फेस्टिवल एडवांस:** सरकारी कर्मचारियों को नेशनल और गजटेड हॉलीडे के अलावा कई विशेष छुट्टियां मिलती हैं। त्योहारों के दौरान इंटरेस्ट-फ्री एडवांस लोन लेने की सुविधा होती है।

संपादकीय

बात बिगड़ेगी

आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि स्वयंसेवक मथुरा और काशी से जुड़े आंदोलनों में भाग ले सकते हैं, हालांकि उन्होंने सामाजिक कलह से बचने की भी बात कही। उनका यह बयान संघ प्रमुख मोहन भागवत के पिछले रुख से अलग है, जिसमें भागवत ने शिवलिंग तलाशी पर आपत्ति जताई थी।

आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले का यह कहना कि स्वयंसेवक अगर मथुरा और काशी से जुड़े आंदोलनों में भाग लेते हैं, तो संगठन को आपत्ति नहीं होगी, संघ के पिछले स्टैंड से उलट है। होसबोले ने हालांकि सामाजिक कलह से बचने की बात कही और यह भी साफ किया कि संघ ऐसे किसी आंदोलन का हिस्सा नहीं बनेगा। लेकिन, उनकी बातें विरोधाभासों से भरी लगती हैं और इससे सामाजिक समरसता बनाने में कोई मदद नहीं मिलेगी।

भागवत से अलग: होसबोले ने 1984 का हवाला दिया कि उस समय विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने तीन मंदिरों का मुद्दा उठाया था। अब जब वह कह रहे हैं कि संघ काशी, मथुरा के मंदिरों का मुद्दा उठाने पर आपत्ति नहीं करेगा तो जाहिर है, इसका यह मतलब निकाला जाएगा कि उन्होंने अपने स्वयंसेवकों को इजाजत दे दी है। यह संघ प्रमुख मोहन भागवत के उस रूख से बिल्कुल अलग है, जिसमें उन्होंने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशना सही नहीं है, और यह भी कि अब कोई आंदोलन नहीं होगा।

गैर-जरूरी बयान: असमंजस बढ़ाने वाला भागवत ने पिछले साल दिसंबर में भी मस्जिदों को लेकर उठ रहे विवाद को शांत करने का प्रयास किया था। तब उन्होंने कहा था कि, %राम मंदिर निर्माण के बाद कुछ लोगों को लगता है कि वे नई जगहों पर इसी तरह के मुद्दों को उठाकर हिंदुओं के नेता बन सकते हैं। यह स्वीकार्य नहीं है। जब संघ प्रमुख ने एक स्पष्ट रेखा खींच दी थी, तय होसबोले का बयान असमंजस बढ़ाने वाला है। संघ कार्यकर्ता क्या समझें, कि उन्हें भागवत की लाइन पकड़नी है या होसबोले की ?

एक्ट की व्याख्या: राम मंदिर निर्माण के बाद लगा था कि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा खत्म हो जाएगा, लेकिन हर कुछ दिन बाद एक नई जगह विवादों की जद में आ जा रही है और यह सब हो रहा है। Places of Worship Act, 1991 के होते हुए। इसकी वजह इस एक्ट की 2022 में की गई वह अतिरिक्त व्याख्या है, जो सुप्रीम कोर्ट ने की थी। तब शीर्ष अदालत ने कहा था कि किसी पूजास्थल का धार्मिक स्वरूप नहीं बदला जा सकता, लेकिन धार्मिक स्वरूप की जांच करने से कानून नहीं रोकता।

जल्दी हो निपटारा: कानून की इस अतिरिक्त व्याख्या ने विवादों की बाढ़ ला दी। अब इसी की आड़ में तमाम जगह सर्वे की मांग उठ रही है। ऐसे माहौल में होसबोले के बयान से बात संभलेगी नहीं, बल्कि और बिगड़ जाएगी और इससे यह जरूरत भी जाहिर होती है कि सुप्रीम कोर्ट को वर्शिप एक्ट से जुड़े मामलों का निपटारा जल्द से जल्द कर देना चाहिए।

अमेरिका की नई धमकी से भारत की चिंता जरूर कुछ बढ़ गई है, क्योंकि सचमुच अगर वह ऐसा करता है, तो भारत की तेल कंपनियों के लिए रूस से तेल खरीदना मुश्किल हो जाएगा। अभी भारत सबसे अधिक कच्चा तेल रूस से खरीदता है।

अमेरिकी धमकी से पहले भी भारत पर हुआ है बड़ा प्रभाव, रूस से खरीदना होगा मुश्किल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शायद विश्व राजनीति में धमकी की नई परंपरा कायम करने पर तुले हैं। अब उन्होंने रूस से कच्चा तेल खरीदने वालों को धमकाया है कि जो ऐसा करेगा, वह अमेरिका में कारोबार नहीं कर पाएगा। ऐसे देशों पर पच्चीस से पचास फीसद तक अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। यह धमकी उन्होंने इसलिए दी है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की दिशा में न तो रूस और न ही यूक्रेन ने अपेक्षित सहयोग का रुख दिखाया है। इससे ट्रंप निराश हैं।

पिछले महीने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को बुला कर ट्रंप ने कड़े शब्दों में फटकार लगाई थी। यूक्रेन को दी जाने वाली अमेरिकी मदद पर रोक लगा दी गई है। इससे उम्मीद बनी थी कि रूस, अमेरिका की युद्ध विराम संबंधी शर्तें मान जाएगा, मगर उसने अपनी शर्त रख दी कि सभी नाटो देश यूक्रेन को सैन्य मदद और गोपनीय सूचनाओं पर रोक लगाएं, तभी वह युद्ध विराम पर विचार कर सकता है। यह अमेरिका के लिए कठिन ही नहीं, शायद कभी पूरी न हो सकने वाली शर्त है। ऐसे में ट्रंप ने अब रूस पर नकेल कसने का रास्ता चुना है। मगर यह रास्ता भी उनके लिए कितना आसान और कारगर साबित होगा, कहना मुश्किल है।

अमेरिका की नई धमकी से बढ़ी भारत की चिंता

अमेरिका की नई धमकी से भारत की चिंता जरूर कुछ बढ़ गई है, क्योंकि सचमुच अगर वह ऐसा करता है, तो भारत की तेल कंपनियों के लिए रूस से तेल खरीदना मुश्किल हो जाएगा। अभी भारत सबसे अधिक कच्चा तेल रूस से खरीदता है। पहले ईरान और खाड़ी देशों से खरीदता था, मगर अमेरिकी प्रतिबंध के बाद भारतीय तेल कंपनियों ने वहां से तेल खरीदना बंद करके रूस से खरीदना शुरू कर दिया था। इस तरह कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से महंगाई तेजी से बढ़ेगी, जिसका अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर पड़ेगा।

हालांकि भारतीय तेल कंपनियां अभी समझ नहीं पा रही हैं कि अमेरिका का अतिरिक्त शुल्क लगाने का ढांचा क्या होगा, इसलिए वे इसे अधिक चिंता का विषय नहीं मान रही हैं, पर जिस तरह पहले ही पारस्परिक शुल्क नीति के तहत अमेरिका ने भारी शुल्क थोप दिए हैं, उससे भारत के लिए संतुलन बिठाना कठिन हो रहा है। यह नया शुल्क और परेशान करने वाला साबित हो सकता है।

ट्रंप प्रशासन के लिए शुल्क नीति पर लंबे समय तक कायम रह पाना कठिन

मगर ट्रंप प्रशासन के लिए भी अपनी शुल्क नीति पर लंबे समय तक कायम रह पाना कठिन होगा। इसे लेकर अमेरिका में ही विरोध हो रहा है। इसलिए कि पारस्परिक शुल्क के चलते अमेरिकी कारोबार पर भी बुरा असर पड़ सकता है। जिन चीजों के लिए अमेरिका दूसरे देशों पर निर्भर है, उनकी कीमतें बढ़ेंगी, तो वहां भी महंगाई बढ़ेगी। ऐसे में अमेरिकी लोगों का विरोध लंबे समय तक सहन कर पाना ट्रंप के लिए आसान नहीं होगा। वहां के मध्यावधि चुनाव में ट्रंप की पार्टी के लिए भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। फिर यह भी कि ट्रंप के नए ऐलान से रूस कितने दबाव में आ पाएगा, कहना मुश्किल है।

ट्रंप प्रशासन के लिए शुल्क नीति पर लंबे समय तक कायम रह पाना कठिन

मगर ट्रंप प्रशासन के लिए भी अपनी शुल्क नीति पर लंबे समय तक कायम रह पाना कठिन होगा। इसे लेकर अमेरिका में ही विरोध हो रहा है। इसलिए कि पारस्परिक शुल्क के चलते अमेरिकी कारोबार पर भी बुरा असर पड़ सकता है। जिन चीजों के लिए अमेरिका दूसरे देशों पर निर्भर है, उनकी कीमतें बढ़ेंगी, तो वहां भी महंगाई बढ़ेगी। ऐसे में अमेरिकी लोगों का विरोध लंबे समय तक सहन कर पाना ट्रंप के लिए आसान नहीं होगा। वहां के मध्यावधि चुनाव में ट्रंप की पार्टी के लिए भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। फिर यह भी कि ट्रंप के नए ऐलान से रूस कितने दबाव में आ पाएगा, कहना मुश्किल है।

संसदीय समिति के आदेश के बावजूद अधिकारियों ने नहीं दिया अचल संपत्ति का ब्योरा

सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी संपत्ति का ब्योरा देने के लिए बार-बार कहने पर भी सार्थक नतीजे नहीं निकले हैं, तो इसकी वजह क्या हो सकती है, इसे समझा जा सकता है। दरअसल, कोई बड़ी दंडात्मक कार्रवाई न होने से प्रायञ् अधिकारी अपनी संपत्ति का ब्योरा देने से कतराते हैं। ऐसे में, संसद की एक स्थायी समिति ने निर्धारित समय सीमा में ब्योरा दाखिल न करने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई का सुझाव देकर स्पष्ट कर दिया है कि उनमें कहीं न कहीं पारदर्शिता की कमी है।

हैरत की बात है कि निर्देश के बावजूद वर्ष 2024 में इक्यानबे अधिकारियों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा दाखिल किया। जबकि इससे पहले तिहत्तर अधिकारियों ने ही ऐसा किया था। बड़े अधिकारी ब्योरा देने से बच रहे हों, तो जाहिर है कि कहीं न कहीं उनमें ईमानदारी का अभाव है। अगर कोई भ्रष्ट आचरण नहीं किया, तो फिर अपनी अचल संपत्ति की जानकारी देने से क्यों गुरेज?

जवाबदेही से बचने का प्रयास करते हैं अधिकारी: वे कुछ छिपा रहे हैं, तो कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है। ऐसे में अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कोई दो मत नहीं कि ऐसे अधिकारी ही जवाबदेही से बचने का प्रयास करते हैं। जब ऊपरी स्तर पर जवाबदेही नहीं दिखेगी, तो निचले स्तर पर क्या उम्मीद की जा सकती है। यह तय है कि ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के बिना कहीं भी सुशासन की उम्मीद नहीं की जा सकती। अगर कोई अधिकारी आदेश के अनुपालन में लापरवाही बरतता है, तो उसके खिलाफ निस्संदेह कार्रवाई होनी चाहिए। संसद की स्थायी समिति का यह सुझाव उचित है कि संपत्ति का ब्योरा दाखिल करने के लिए एक निगरानी तंत्र स्थापित हो और इसमें एक कार्यबल का गठन किया जाए, जो ब्योरा दाखिल न करने वाले अधिकारियों पर नजर रखे।

व्यापार

पूनम गुप्ता को मिला आरबीआई के डिप्टी गवर्नर का पद, मोदी सरकार ने 3 साल के लिए दी मंजूरी

मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने गुप्ता की आरबीआई में डिप्टी गवर्नर पद पर नियुक्ति को उनके कार्यभार संभालने की तारीख से तीन साल के लिए मंजूरी दी है।

केंद्र सरकार ने प्रतिष्ठित शोध संस्थान नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लॉयड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) की महानिदेशक पूनम गुप्ता को तीन साल के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का डिप्टी गवर्नर नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। माइकल देबव्रत पात्रा के जनवरी में पद छोड़ने के बाद आरबीआई में डिप्टी गवर्नर का पद खाली हो गया था।

तीन साल के लिए मंजूरी: सूत्रों ने कहा कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने गुप्ता की आरबीआई में डिप्टी गवर्नर पद पर नियुक्ति को उनके कार्यभार संभालने की तारीख से तीन साल के लिए मंजूरी दी है। वर्तमान में, गुप्ता एनसीएईआर की महानिदेशक हैं। वह प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य और 16वें वित्त आयोग की सलाहकार परिषद की संयोजक भी हैं।

विश्व बैंक में भी कर चुकी हैं काम

वाशिंगटन में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष और विश्व बैंक में लगभग दो दशक तक वरिष्ठ पदों पर काम करने के बाद वह 2021 में एनसीएईआर में शामिल हुई। पूनम गुप्ता ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड (अमेरिका) में पढ़ाया और आईएसआई (भारतीय सांख्यिकी संस्थान), दिल्ली में 'विजिटिंग फैकल्टी' के रूप में काम किया।

संजय मल्होत्रा हैं गवर्नर

बीते साल ही 56 वर्षीय संजय मल्होत्रा को रिजर्व बैंक के गवर्नर के तौर पर नियुक्ति मिली थी। उन्हें अगले तीन वर्षों के लिए आरबीआई का नया गवर्नर नियुक्त किया गया है, जो 9 दिसंबर, 2024 से प्रभावी है। इससे पहले मल्होत्रा भारत के राजस्व सचिव के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने शक्तिकांत दास का स्थान लिया, जिन्होंने गवर्नर के रूप में छह साल का कार्यकाल पूरा कर लिया था।

कौन-कौन सी डिग्रियां

पूनम गुप्ता के पास अमेरिका के मैरीलैंड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नात्कोत्तर डिग्री और पीएचडी, दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र पर पीएचडी के लिए 1998 में एक्जिम बैंक पुरस्कार जीता था।

500 के पार गया ज्वेलरी कंपनी का शेयर, 12प्रतिशत उछला भाव, आपका है दांव?

चालू वित्तवर्ष की तीसरी तिमाही में कल्याण ज्वेलर्स का मुनाफा 21.23 प्रतिशत बढ़कर 218.68 करोड़ रुपये हो गया है। बिक्री बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है।

सप्ताह के तीसरे दिन बुधवार को बाजार की रिकवरी के बीच कल्याण ज्वेलर्स के शेयर भी रॉकेट की तरह बढ़े। कल्याण ज्वेलर्स के शेयर में 12 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई और भाव 519.15 रुपये तक पहुंच गया। कारोबार के अंत में शेयर की कीमत 11.81प्रतिशत बढ़कर 512.10 रुपये पर थी। शेयर के 52 हफ्ते का हाई और लो क्रमशञ् 794.60 रुपये और 337 रुपये है। 2 जनवरी 2025 को इस शेयर की कीमत 52 हफ्ते के हाई यानी 794.60 रुपये पर थी।

ट्रेडिंग वॉल्यूम में उछाल

कल्याण ज्वेलर्स के ट्रेडिंग वॉल्यूम में भी बड़ी बढ़ोतरी हुई है, जो निवेशकों की मजबूत रुचि और बाजार गतिविधि का संकेत देती है। बढ़ी हुई ट्रेडिंग वॉल्यूम बाजार में भागीदारी को दिखाता है। संभवतः संस्थागत निवेशकों या बड़े पैमाने पर शेयरों की खरीदारी की गई है। शेयर वर्तमान में कई प्रमुख इंडेक्स- हृढ्ढस्नञ्झ्ढ्ढ 500, हृढ्ढस्नञ्झ्ढ्ढ मिडकैप 100, निफ्टी 200, हृढ्ढस्नञ्झ्ढ्ढ मिडकैप 150, हृढ्ढस्नञ्झ्ढ्ढ मिडस्मॉलकैप 400, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी लार्जमिडकैप 250 और निफ्टी टोटल मार्केट शामिल हैं।

कैसे रहे तिमाही नतीजे

चालू वित्तवर्ष की तीसरी तिमाही में कल्याण ज्वेलर्स का मुनाफा 21.23 प्रतिशत बढ़कर 218.68 करोड़ रुपये हो गया है। बिक्री बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। कंपनी ने एक साल पहले समान अवधि में 180.37 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। वित्त वर्ष 2024-25 की दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय 40 प्रतिशत बढ़कर 7,318.19 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 5,243.20 करोड़ रुपये थी। इस अवधि में कंपनी का खर्च 5,004.65 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,024.63 करोड़ रुपये हो गया।

शेयरहोल्डिंग पैटर्न

दिसंबर तिमाही में इस कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 62.85 फीसदी की है। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डिंग 37.15 फीसदी की है। सितंबर तिमाही के मुकाबले देखें तो प्रमोटर्स ने अपनी मामूली हिस्सेदारी घटा दी है। सितंबर तिमाही में 62.90 फीसदी की हिस्सेदारी थी।

1 पर 1 बोनस शेयर दे रही यह कंपनी, रिकॉर्ड डेट इसी सप्ताह

पेनी स्टॉक केबीसी ग्लोबल इस सप्ताह फोकस में रहेगा। दरअसल, कंपनी ने 1ञ्1 के रेशियो में अपने बोनस शेयर जारी करने के लिए रिकॉर्ड डेट 4 अप्रैल तय की है। इससे पहले कंपनी ने रिकॉर्ड डेट 28 मार्च रखा था, जिसे बाद में 4 अप्रैल कर दिया गया। बता दें कि केबीसी ग्लोबल के बोर्ड ने 22 मार्च को आयोजित अपनी बैठक में बोनस शेयर आवंटन को मंजूरी दी थी। 1ञ्1 बोनस इश्यू रेशियो का मतलब है कि निवेशकों को उनके द्वारा रखे गए प्रत्येक शेयर के लिए बिना किसी अतिरिक्त लागत के एक शेयर मिलेगा। कंपनी के शेयर आज मामूली तेजी के साथ 1.03 रुपये पर पहुंच गए थे।

क्या है डिटेल

टी+1 सेटलमेंट सिस्टम के अनुसार, निवेशकों को कंपनी के खातों में अपना नाम दर्ज कराने के लिए रिकॉर्ड डेट से कम से कम एक दिन पहले कंपनी के शेयर खरीदने की जरूरत होती है। इसलिए, 3 अप्रैल आखिरी दिन है जब निवेशक बोनस शेयर आवंटन के लिए पात्र होने के लिए पेनी स्टॉक केबीसी ग्लोबल के शेयर खरीद सकते हैं। इससे पहले, कंपनी ने 2021 में 4ञ्1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की थी, जिसकी रिकॉर्ड डेट अगस्त 2021 तय की गई थी।

दिसंबर तिमाही के नतीजे

केबीसी ग्लोबल ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 29.88 करोड़ की तुलना में ज़्20.76 करोड़ का स्टैंडअलोन घाटा दर्ज किया। इसकी परिचालन से होने वाली आय में साल-दर-साल 91प्रतिशत की तीव्र गिरावट देखी गई, जो ज़्12.58 करोड़ से घटकर ज़्1.09 करोड़ रह गई। नवंबर 2024 में छुए गए ज़्2.56 के अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर से, शेयर ने अपने मूल्य का 60प्रतिशत खो दिया है। बीएसई डेटा के अनुसार, शेयर पिछले एक साल से बेस-बिल्डिंग मोड में है, जिसमें

इस शेयर को खरीदने की लूट, कंपनी के 2 करोड़ शेयर रेखा झुनझुनवाला के पास

रेखा झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में शामिल डीबी रियल्टी के शेयर (वेलोर एस्टेट लिमिटेड) आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर आज कारोबार के दौरान 14 प्रतिशत तक चढ़ गए और 174.75 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच

रेखा झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में शामिल डीबी रियल्टी के शेयर (वेलोर एस्टेट लिमिटेड) आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर आज कारोबार के दौरान 14प्रतिशत तक चढ़ गए और 174.75 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। पिछले एक साल में डीबी रियल्टी के शेयर के दाम 205 रुपये से गिरकर 174.75 रुपये पर आ गए। इस दौरान यह 15 प्रतिशत तक टूट गया।

रेखा झुनझुनवाला का है बड़ा दांव

कंपनी में रेखा झुनझुनवाला के पास बड़ी हिस्सेदारी है। रेखा झुनझुनवाला के दो आईडी से स्टेक है। एक से 1,00,00,000 शेयर खरीदे गए हैं। यह कंपनी में 1.86 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं, दूसरी आईडी से कंपनी के 1,50,00,000 यानी 2.79 फीसदी हिस्सेदारी है। यानी कुल मिलाकर झुनझुनवाला के पास कंपनी के 25,000,000 शेयर हैं। यह कंपनी में कुल 4.65 फीसदी स्टेक के बराबर है।

कंपनी के शेयरों के हाल

डीबी रियल्टी के शेयरों का 52 वीक हाई प्राइस 242.50 रुपये और 52 वीक का लो 115.25 रुपये है। इसका मार्केट कैप 9,226.61 करोड़ रुपये है। कंपनी के शेयर पिछले पांच दिन में 18प्रतिशत तक चढ़ गए। महीनेभर में 45प्रतिशत तक चढ़ गया। पांच साल में यह शेयर 3600प्रतिशत से अधिक तक चढ़ गया। इस दौरान इसकी कीमत 4 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक बढ़ गई। बता दें कि कंपनी मुख्य रूप से रियल एस्टेट निर्माण, विकास और अन्य संबंधित गतिविधियों के कारोबार में सक्रिय है। अधिकांश परियोजनाएं मुंबई और उसके आसपास स्थित हैं और योजना और निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 3 अप्रैल 2025

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

रामकिशोर के करीबी ठेकेदार निषिथ श्रीवास्तव पर श्रम विभाग ने किया अपराध पंजीबद्ध

आउटसोर्स कर्मचारी का शोषण करना पड़ा भारी

कहते है राजनीति में एक आका बना कर कई गलत कामों को अंजाम देना पुराना फैशन है। लेकिन कहते है जब गरीबों की बददुआ लगती है तो उससे बचाने लेकिन कोई आका नहीं आता और अपने कर्मों की सजा भुगतना इंसान की मजबूरी हो जाती है। बालाघाट के जिला अस्पताल में आउटसोर्स कर्मचारी के साथ शोषण कर उन्हें कम वेतन देने वाला भाजपा नेता वर्तमान जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे का करीबी निषिथ श्रीवास्तव पर अब श्रम विभाग की कार्यवाही का डंडा घूमा है। अब इस कार्यवाही से बचाने का उसके आका रामकिशोर का प्रयास भी शायद विफल हो गया है। श्रम विभाग ने निषिथ श्रीवास्तव पर विभिन्न नियमों के उल्लंघन करने पर अपराध पंजीबद्ध किया है।

बालाघाट। राष्ट्रबाण

जिला अस्पताल बालाघाट में आउटसोर्स के तहत रखे गये कर्मचारीयों के साथ हो रहे शोषण मामले पर अब श्रम विभाग ने अपनी जांच उपरांत कार्यवाही करते हुए निषिथ श्रीवास्तव के खिलाफ अपराध दर्ज करते हुए प्रकरण श्रम न्यायालय को प्रेषित कर दिया है। इस कार्यवाही से समझा जा रहा है कि अब ठेकेदार निषिथ श्रीवास्तव के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही भी की जा सकती है और पीड़ितो का न्याय मिलने की उम्मीद बढ गई है।

आपको बता दे कि शासकीय जिला अस्पताल में टेंडर प्रक्रिया के बाद ठेकेदार निषिद श्रीवास्तव द्वारा आउटसोर्स के तहत आधा सैकडा से अधिक कर्मचारियों की स्वास्थय विभाग में नियुक्ति की गई है। जिनमें कुछ कम्प्युटर ऑपरेटर की पोस्ट पर है तो कुछ सुरक्षा गार्ड तो कुछ भृत्य की पोस्ट पर पदस्थ किये गये है। इस तरह लगभग 50 से 60 कर्मचारी आउटसोर्स के तहत लगाये गये है। लेकिन लगभग 04 सालो से ठेकेदार निषिथ श्रीवास्तव के द्वारा इन सभी कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा था। आलम यह है कि आउटसोर्स में लगे एक भी कर्मचारी अपनी परेशानी किसी से साझा नहीं पा रहे थे। यदि वे किसी से शिकायत करते भी थे, तो उनकी शिकायत पर कोई कार्यवाही नही हो पाती थी, अपितु उसी कर्मचारी को कार्य से निकाल देने की धमकियां दी जाती थी और शिकयत करने वाले कर्मचारियों को निषिथ श्रीवास्तव द्वारा निकाला भी गया है। लेकिन आज से लगभग 01 साल पूर्व राष्ट्रबाण अखबार उनकी आवाज बना और 14 मई 2024 को ठेकेदार निषिथ श्रीवास्तव के कारनामो से जुडी खबर

राष्ट्रबाण में प्रकाशित खबर।

प्रकाशित करके मामला उजागर किया था। जिसे श्रम विभाग ने पूर्णतः गंभीरता से लिया और आउटसोर्स के तहत लगे कर्मचारियों के संबंध में ठेकेदारो के खिलाफ दस्तावेजों की जाँच की गयी।

श्रमविभाग के द्वारा गठित दल ने दिनांक 14-05-2024 को निशीथ श्रीवास्तव की उपस्थिति में ज़िला चिकित्सालय पहुंचकर जाचं की गई। जहां कार्यालय संस्थान में वेतन पंजी कार्यस्थल पर संधारित नहीं की गई, जो कि धारा 18 नियम 29(1) का उल्लघन पाया गया। कार्यालय में उपस्थिति पंजी कार्यस्थल पर संधारित नहीं की गई, जो कि धारा 18 नियम 29(5) का उल्लंघन पाया गया है। कार्यालय में अधिसमय पंजी कार्यस्थल पर संधारित नहीं की गई जो कि धारा 18 नियम 27(2) का उल्लंघन पाया गया। कार्यालय में दण्ड पंजी फार्म कमांक-1 में संधारित नही पायी गयी,जो कि धारा 18 नियम 22(4) का उल्लंघन है। कार्यालय में कटोत्रा पंजी फार्म कमांक 2 में संधारित नहीं की गई जो कि धारा 18 नियम 22(1) का उल्लंघन है। निरीक्षण पंजी संधारित नहीं पायी गयी, जो कि धारा 18 नियम 29(ए) का उल्लंघन है। श्रमिकों को वेतन पर्ची व प्रदाय नहीं गई जो कि धारा 18 नियम 29(2) का उल्लंघन है। श्रमिकों को हाजिरी कार्ड प्रदाय नहीं किया गया जो कि घारा 18 नियम 31(1) का उल्लंघन है। श्रमिकों से अधिसमय कार्य लेने पर नियमानुसार दुगनी दर से भुगतान किया जाना नहीं पाया गया। जो कि धारा 18 नियम 27 का उल्लंघन है। नियोजक द्वारा संवैतानिक अवकाश प्रदान किया जाना नहीं पाया गया,जो कि धारा 18 नियम 24 का उल्लंघन है। वार्षिक विवरण फार्म कमांक 3 कार्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया जो कि, धारा 18 नियम 22(4) का उल्लंघन है। साथ ही कार्यस्थल में अधिनियम का सांराश प्रारूप-10 में सूचना क्षेत्रीय निरीक्षक का नाम, पता, कार्य के घण्टे की सूचना, न्यूनतम वेतन की दरें सहगोचर स्थान पर प्रदर्शित नहीं पाई गई, जो कि धारा 18 नियम 23 का उल्लंघन है। इस तरह जांच दल लगभग 12 बिदुओं पर खामियां पाई थी।

कई बार जारी हुए नोटिस

यहां श्रम विभाग ने कई बार सीएचएमओ जिला अस्पताल बालाघाट को कारण बताओं नोटिस भी जारी किये थे। जहां पहला पत्र 22 मई 2024 को पत्र क्रमांक/शिका/2024/1674 प्रेषित कर जिला अस्पताल बालाघाट में कार्यरत् ठेका श्रमिको/आउटसोर्स कर्मचारियों की न्यूनतम वेतन अधिनियम, 1948 अंतर्गत किये गये निरीक्षण की निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने निर्देशित किया। उसके बाद 14 जून 2024 को पत्र क्रमांक/शिका./2024/1904 प्रेषित कर पुन- जानकारी रिपोर्ट मांगी गई। वही तीसरा पत्र क्रमांक 2024/2101 दिनांक 05 जुलाई 2024 को भी भेजा गया। लेकिन स्वास्थ विभाग के द्वारा भी कोई जानकारी श्रम विभाग को नही भेजी गई। जिसके बाद श्रम निरीक्षक श्रम पदाधिकारी कार्यालय बालाघाट ने न्यूनतम वेतन अधिनियम 1948 के संदर्भ में श्रम न्यायालय में परिवाद पेश कर दिया, जिसके उपरांत श्रम न्यायालय ने अभियुक्त निषिथ श्रीवास्तव पिता मदन गोपाल श्रीवास्तव 42 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 09, जिला बालाघाट के खिलाफ 07 नंवबर 2024 को अपराध क्रमांक 15 अधिनियम की उल्लंघित धारा-18,19,14,17,24, दंडनीय धारा-22(ए) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

निषिथ श्रीवास्तव भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर के साथ

भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे के करीबी है निषिथ

जानकारो की माने तो ठेकेदार निषिथ श्रीवास्तव राजनैतिक पार्टी भाजपा संगठन से संबंध रखते है और पूर्वमंत्री व वर्तमान भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरें के बेहद करीबी है। जिनका संरक्षण इन्हे हमेशा से मिलता आया है। कावरे के सरंक्षण के कारण ही स्वास्थ विभाग ने कभी ठेकेदार निषिथ श्रीवास्तव के खिलाफ कोई जाचं कार्यवाही नही की, लेकिन श्रम विभाग ने पूरी निष्पक्षता व हिम्मत के साथ अपने दायित्वो का निर्वहन करके ठेकेदार निषिथ श्रीवास्तव के खिलाफ श्रम न्यायालय में परिवाद पेश कर दिया है। ऐसे में ठेकेदार निषिथ श्रीवास्तव से शोषित पीड़ितो को भी जल्द न्याय मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। क्योकि अब तक कुछ जिम्मेदारो ने भ्रष्टाचार को ही शिष्टाचार मान लिया था। सूत्रों की माने तो ठेकेदार निषिथ श्रीवास्तव को कुछ मायने में तात्कालीन सीएमएचओ डॉ. मनोज पांडे एवं तत्कालीन जिला टिकारण अधिकारी व वर्तमान सीएमएचओ डॉ परेश उपलप के साथ साठ गाठ की भी कहानी जिले मे चर्चा का विषय बनी हुई है जिस कारण कर्मचारियों को न्याय नही मिल पा रहा था। सूत्र बताते है की उनके शोषण मामले की जानकारी उन्हे थी, लेकिन मनोज पांडे रामकिशोर कावरे के कथित दबाव में आकर मूकबधिर की तरह तमाशबीन बने हुए थे।

डॉ अंकिता सीते बनी नोडल अधिकारी

सिकल सेल एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम की भी मिली जिम्मेदारी

बैतूल। राष्ट्रबाण

प्रशासकीय कार्य व्यवस्था के सुचारु संचालन को ध्यान में रखते हुए बैतूल सीएमएचओ डॉ रविकांत उईके ने जिला चिकित्सालय बैतूल में पदस्थ डॉ. अंकिता सीते (पैथोलॉजी - पीजीएमओ) को उनके ब्लड बैंक कार्यो के साथ-साथ सिकल सेल एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम का जिला नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में सिकल सेल एनीमिया एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बनी हुई है, विशेष रूप से जनजातीय समुदायों में इसकी अधिकता देखी गई है। सरकार द्वारा इस बीमारी की रोकथाम और उपचार के लिए सिकल सेल एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

डॉ. अंकिता सीते अब इस कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगी और जिले में सिकल सेल से प्रभावित मरीजों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने का कार्य करेंगी। उनकी जिम्मेदारी होगी कि जिले में इस बीमारी की स्क्रीनिंग, उपचार और जागरूकता अभियान प्रभावी रूप से संचालित किए जाएं।

डॉ. अंकिता सीते ने बताया कि अब तक बैतूल जिले में 6 लाख से अधिक लोगों की सिकल सेल जांच की जा चुकी है। जिनमें से 1,154 मरीज सिकल सेल एनीमिया से ग्रसित पाए गए हैं, जबकि 5,504 लोग सिकल सेल वाहक हैं।

डॉ सीते ने बताया कि बैतूल जिले में

अप्रैल 2024 से 2025 तक कुल 862 सिकल सेल रोगियों को रक्त चढ़ाया गया। मार्च 2025 में 56 सिकल सेल रोगियों को रक्त चढ़ाया गया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में नियमित स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सिकल सेल एनीमिया के लक्षण, पहचान और उपचार के बारे में जानकारी दी जाती है। इसके अलावा, प्रभावित मरीजों को आवश्यक चिकित्सा सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

हनुमान जन्मोत्सव पर 12 अप्रैल को बैतूल में निकलेगी मेंहदीपुर बालाजी की भव्य रथयात्रा

बैतूल। राष्ट्रबाण

श्री मेंहदीपुर बालाजी भक्त समिति द्वारा आयोजित होने वाली श्री घाटा मेंहदीपुर बालाजी की भव्य रथयात्रा इस वर्ष अपने 14वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। इस बार भी यह ऐतिहासिक रथयात्रा हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर 12 अप्रैल 2025 को बड़े धूमधाम से निकाली जाएगी। समिति ने तैयारियां शुरू कर दी है।

हनुमान जन्मोत्सव के दिन शाम 5 बजे श्री हनुमान मंदिर, न्यू बैतूल स्कूल ग्राउंड से यह भव्य रथयात्रा प्रारंभ होगी। श्रद्धालु श्री मेंहदीपुर बालाजी महाराज को रथ पर नगर भ्रमण कराएंगे। रथयात्रा लल्ली चौक, पेट्रोल पंप, टांगा स्टैंड चौक, बीजासनी माता मंदिर होते हुए गंज माता मंदिर, पेट्रोल पंप के पास समापन होगी।

हर वर्ष की तरह इस बार भी हजारों श्रद्धालु नंगे पैर रथयात्रा में शामिल होकर श्री बालाजी महाराज का रथ खींचेंगे। परंपरा के अनुसार, पुरुष और महिलाएं अलग-अलग रस्सों से रथ को खींचकर अपनी भक्ति प्रकट करेंगे। इस रथयात्रा में भक्त अपनी मनोकामनाएं अर्जियों के रूप में श्री मेंहदीपुर बालाजी महाराज को अर्पित करेंगे। भक्तजन एक छोटे लाल कोरे कपड़े में दस रुपये का सिक्का, चावल के दाने और एक कागज पर लिखी अपनी मनोकामना रखकर अर्जियां चढ़ाते हैं।

विद्यार्थियों को वितरित की गई स्टेशनरी में गड़बड़ी के आरोप

विद्यालय में वितरित की गई स्टेशनरी की जांच की मांग शासकीय महाविद्यालय शाहपुर के विद्यार्थियों ने प्राचार्य को सौंपा आवेदन

बैतूल। राष्ट्रबाण

शासकीय महाविद्यालय शाहपुर के विद्यार्थियों ने बुधवार को प्राचार्य को एक आवेदन सौंपकर महाविद्यालय में वितरित की गई स्टेशनरी की जांच कराने की मांग की है। आवेदन देने वाले विद्यार्थियों में मुख्य रूप से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राएं शामिल थे। विद्यार्थियों का कहना है कि उन्हें जो स्टेशनरी प्रदान की गई है, वह उनकी आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त नहीं है। छात्रों ने आरोप लगाया कि कुछ विद्यार्थियों को स्टेशनरी पूरी तरह से नहीं मिली, जबकि कुछ को केवल सीमित मात्रा में ही सामग्री दी गई है। छात्रों ने प्राचार्य से मांग की कि इस मामले की पूरी जांच कराई जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी पात्र विद्यार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार स्टेशनरी प्रदान की जाए। इस अवसर पर अंबेकरी जनसेवा विद्यार्थी संगठन ऐजेविएस बैतूल जिला अध्यक्ष विवेक अखंडे, सुखमन, विवेक, अंजलि, प्रियंका, सूरज सहित अन्य विद्यार्थी शामिल है। विद्यार्थियों ने उम्मीद जताई है कि उनकी मांग पर जल्द ध्यान दिया

जाएगा और उन्हें पूर्ण रूप से स्टेशनरी उपलब्ध कराई जाएगी।

मौसम बदला, बालाघाट में हल्की बारिश

बालाघाट। बालाघाट में मौसम ने करवट ली है। बुधवार शाम करीब 5 बजे हल्की बारिश हुई। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तेज हवाओं और बारिश की चेतावनी दी है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 4 अप्रैल को जिले में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। कुछ इलाकों में बारिश की भी संभावना है।

रामनवमी पर घोघरा घाट में रामसत्ता और कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

बैतूल। राष्ट्रबाण

जिले के भीमपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चोहटा पोपटी स्थित मां ताप्ती घोघरा घाट पर रामनवमी के पावन अवसर पर पारंपरिक मेले के साथ-साथ विशाल रामसत्ता और कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। चैत्र नवरात्रि एवं रामनवमी के अवसर पर होने वाली रामसत्ता प्रतियोगिता 5 और 6 अप्रैल 2025 को आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मंडल को 21 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा, वहीं द्वितीय स्थान के लिए 15 हजार, तृतीय के लिए 11 हजार, चतुर्थ के लिए 9 हजार और पंचम स्थान प्राप्त करने वाले को 7 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाएगी।

इसी प्रकार, कबड्डी प्रतियोगिता भी 5 और 6 अप्रैल को होगी, जिसमें प्रथम विजेता को 11 हजार रुपये, द्वितीय को 9 हजार रुपये, तृतीय को 7 हजार रुपये, चतुर्थ को 5 हजार रुपये और पंचम विजेता को 3 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा। ग्राम पंचायत चोहटा पोपटी के सरपंच रामकिशोर धुर्वे ने सभी श्रद्धालुओं और खेल प्रेमियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में मेले में शामिल होकर आयोजन की भव्यता बढ़ाएं। उन्होंने बताया कि नांदा से घोघरा घाट तीर्थ स्थल पश्चिम दिशा में 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरपंच रामकिशोर धुर्वे ने बताया कि यह मेला हर वर्ष आयोजित किया जाता है।

पारधीढाना में शमशेर सिंह भोसले की पुण्यतिथि मनाई

स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को किया याद

बैतूल। राष्ट्रबाण

पारधीढाना में पारधी समाज ने स्वतंत्रता संग्राम के महान योद्धा शमशेर सिंह भोसले पारधी की पुण्यतिथि मनाई। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण किया और उनके जीवन परिचय से उपस्थित लोगों को अवगत कराया।

इस अवसर पर पारधी समाज के मुखिया अलसिया पारधी ने उनके बलिदान को याद करते हुए कहा कि उनका संघर्ष स्वतंत्रता के साथ समानता और न्याय के लिए भी था। उनके विचार और उनकी वीरता आज भी अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने उपस्थित सभी

लोगों को संकल्प दिलाया कि वे उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज में एकता और समानता के लिए कार्य करेंगे। इस अवसर पर अलसिया पारधी, विजय सोलंकी, अजय सोलंकी, नीलेश सोलंकी, मनीष राजपूत, पटेल राजपूत, महाजन राजपूत, कमल सोलंकी, मोनेसिंह राजपूत, इंकेश राजपूत सहित बड़ी संख्या में पारधी समाज के लोग उपस्थित रहे और शमशेर सिंह भोसले पारधी के योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

उल्लेखनीय है कि शमशेर सिंह भोसले पारधी 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख क्रांतिकारियों में से एक थे, जिन्होंने अंग्रेजी शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी और अपने प्राणों की आहुति देकर स्वराज की मशाल जलाए रखी। वे केवल एक योद्धा के साथ पारधी समाज के सच्चे मार्गदर्शक भी थे। उन्होंने समाज को एकजुट कर अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा दी।

पालकों ने ली बच्चों को नियमित स्कूल भेजने की शपथ

सीएम राइज में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का किया सम्मान

घोड़ाडोंगरी। राष्ट्रबाण

स्कूल चले हम अभियान के तहत मंगलवार को सीएम राइज विद्यालय घोड़ाडोंगरी में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रशांत गावंडे, पार्षद राहुल इवने और सैकड़ों पालक उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य विवेक तिवारी और शिक्षकों द्वारा नव प्रवेशित विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। विद्यार्थियों को निशुल्क पाठ्यपुस्तकें और गणवेश भी वितरित किए गए।

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के स्कूल चले हम अभियान के तहत लाइव प्रसारण भी दिखाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना से हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने नाट्य प्रस्तुति और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। विद्यालय प्रशासन की ओर से नव प्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामना संदेश भी दिए गए।

प्रवेशोत्सव में शामिल हुए विद्यार्थियों और उनके पालकों के चेहरे पर विशेष उत्साह देखा गया। पालकों ने बताया कि विद्यालय द्वारा आयोजित प्रेरणा शिक्षण संवाद के बाद जब बच्चे पहली बार स्कूल आए तो यह अवसर उनके लिए बेहद यादगार रहा। प्रवेशोत्सव के आयोजन ने बच्चों में नए सत्र की सकारात्मक शुरुआत का जोश भर दिया। सीएम राइज विद्यालय (कक्षा 1 से 12) में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों पालकों ने अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने, तिमाही, अर्धवार्षिक और वार्षिक परीक्षाओं में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने, अनुशासन बनाए रखने और विद्यालय को हर संभव सहयोग देने की शपथ ली। इस दौरान विद्यालय प्राचार्य विवेक तिवारी और शिक्षकों ने भी छात्र हित में सदैव कार्य करने का वचन दिया।

राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 3 अप्रैल 2025

सिवनी-बैतूल राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण ● मुलताई ● बैतूल बाजार ● आमला ● भैंसादंड ● सारणी ● बोरदई ● आठनेर

महाराणा सांगा पर टिप्पणी के खिलाफ करणी सेना ने किया उग्र प्रदर्शन

शिवाजी चौक कोठी बाजार में फूंका रामजीलाल सुमन का प्रतिकात्मक पुतला

राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन को प्रेषित किया ज्ञापन, कार्रवाई नहीं हुई तो उग्र आंदोलन की चेतावनी

बैतूल। राष्ट्रबाण

राज्यसभा सांसद और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामजीलाल सुमन द्वारा महाराणा सांगा को लेकर दिए गए विवादित बयान के विरोध में करणी सेना परिवार ने 2 अप्रैल को उग्र प्रदर्शन किया। कोठी बाजार स्थित शिवाजी चौक पर करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने सांसद रामजीलाल सुमन का पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। इस दौरान मौके पर नगर पालिका का दमकल वाहन भी पहुंच गया था, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने पुतला दहन कर ही दिया।

करणी सेना जिला अध्यक्ष विजय सिंह राजपूत ने बताया कि सांसद रामजीलाल सुमन ने वीर योद्धा महाराणा सांगा को गद्दार कहकर पूरे हिन्दू समाज और राष्ट्र की भावना को आहत किया है। उन्होंने कहा कि महाराणा सांगा एक महान योद्धा थे, जिन्होंने अपने जीवन में कई युद्ध लड़े और ऐतिहासिक जीत दर्ज की। उनके विरुद्ध कोई भी अपमानजनक टिप्पणी सहन नहीं की जाएगी। इस संबंध में करणी सेना परिवार, मध्यप्रदेश द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया है।

ज्ञापन में करणी सेना ने मांग की है कि सांसद रामजीलाल सुमन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि राज्यसभा सांसद को अपने विचार रखने का अधिकार है, लेकिन देश के गौरवशाली इतिहास और राष्ट्र के नायकों का अपमान करने का कोई अधिकार नहीं है। करणी सेना ने सुमन पर देशद्रोही मानसिकता से प्रेरित होकर बयान देने का आरोप लगाया है और कहा है कि उनका यह बयान देश में अशांति फैलाने की साजिश है।

पंजाब के गवर्नर ने किया था बाबर को भारत बुलाने का फैसला

करणी सेना ने अपने ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया कि ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार बाबर को भारत बुलाने का फैसला पंजाब के गवर्नर दौलत खान लोधी ने किया था, न कि महाराणा सांगा ने। 1884 के लाहौर गजेटियर और बाबरनामा के अंग्रेजी अनुवाद में भी इस बात का स्पष्ट उल्लेख है। करणी सेना ने सवाल उठाया कि जब ऐतिहासिक प्रमाण बाबर के भारत आगमन की सच्चाई को स्पष्ट करते हैं, तो रामजीलाल सुमन किस आधार पर महाराणा सांगा पर गलत आरोप लगा रहे हैं। ज्ञापन में करणी सेना ने चेतावनी दी कि यदि सांसद रामजीलाल सुमन के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो देशभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा। करणी सेना ने राष्ट्रपति से आग्रह किया कि वीर योद्धा महाराणा सांगा के अपमानजनक बयान को राष्ट्र विरोधी गतिविधि मानते हुए कठोर कार्रवाई की जाए। प्रदर्शन के दौरान हरपाल सिंह राजपूत, अरविंद सिंह कुशवाहा, डब्बू ठाकुर, विजय सिंह राजपूत, शैलेंद्र सिंह ठाकुर, इंद्रजीत सिंह राजपूत, संग्राम सिंह, संजीव सिंह ठाकुर, जितेश राजपूत, योगराज सिंह चौहान, नवीन सिंह राजपूत, अमर सिंह, राहुल सिंह चौहान, सागर सिंह, रोहित सिंह, हर्ष चौहान, हितेश ठाकरे, शुभम माकोड़े, राज ठाकरे, गजेंद्र सिंह, शुभम खातरकर, अनिकेत मोरले, मोना कनोजे, बंटी प्रजापति, प्रमोद पवार, शेखर साहू, सागर सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में करणी सेना के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिवनी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

तहसीलदार और नायब तहसीलदारों के तबादल

सिवनी। सिवनी जिले में कलेक्टर संस्कृति जैन ने प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़ा फेरबदल किया है। उन्होंने तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों के तबादले के आदेश जारी किए हैं।

नए आदेश के मुताबिक, राजेश कुमार वर्मा को तहसीलदार बरघाट से लखनादौन भेजा गया है। संतु बरसैयान को नायब तहसीलदार आनंदनगर से घूमा में पदस्थ किया गया है। प्रशांत उइके को प्रभारी कलेक्टर से तहसीलदार घूमा बनाया गया है। दिव्यांशु परस्ते को नायब तहसीलदार धूमा से बंडोल भेजा गया है। अरुण भृगुनाथ दुबे को नायब तहसीलदार केवलारी से घूमा में तैनात किया गया है। शशांक भार्गव को तहसीलदार कुरई से सिवनी नगर का तहसीलदार बनाया गया है।

कलेक्टर ने सभी स्थानांतरित अधिकारियों को 6 अप्रैल 2025 तक नए पद पर कार्यभार संभालने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, 7 अप्रैल 2025 को सभी तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों की एक बैठक बुलाई गई है। यह प्रशासनिक फेरबदल जिले में कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

परिवहन घोटाले के आरोपी को जमानत मिलने पर विरोध

सिवनी में कांग्रेसियों ने सीएम का पुतला जलाया; कहा– सरकार कर रही बचाव

सिवनी। राष्ट्रबाण

सिवनी में बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने परिवहन घोटाले के आरोपी पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा को मिली जमानत के विरोध में मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार और लोकायुक्त पुलिस की मिलीभगत से आरोपी को जमानत दिलाई गई है।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजकुमार खुराना के अनुसार, परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के खिलाफ लोकायुक्त ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। जांच में सौरभ शर्मा के पास से 10 करोड़ रुपए नकद और 54 किलो सोना समेत अन्य संपत्ति बरामद हुई थी। मामले में लोकायुक्त पुलिस ने निर्धारित 90 दिनों के अंदर न्यायालय में चालान प्रस्तुत नहीं किया। इसके चलते आरोपी सौरभ शर्मा को डिफॉल्ट जमानत मिल गई। कांग्रेस का आरोप है कि यह कार्रवाई जानबूझकर की गई।

कांग्रेस नेताओं ने अंबेडकर चौक पर प्रदर्शन के दौरान कहा- एक आरक्षक के पास इतनी संपत्ति मिलना सरकार में बैठे मंत्रियों के संरक्षण की ओर इशारा करता है। उन्होंने राज्यपाल से मुख्यमंत्री मोहन यादव, परिवहन विभाग के अधिकारियों और लोकायुक्त पुलिस की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही सौरभ शर्मा की जमानत रद्द कर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

सिवनी में 20 मिनट तक गिरा पानी

दोपहर में बारिश से बढ़ी ठंडक, किसान गेहूं की फसल को लेकर चिंतित

सिवनी। राष्ट्रबाण

सिवनी में बुधवार दोपहर करीब 2 बजे मौसम में अचानक बदलाव आया। करीब 15-20 मिनट तक झमाझम बारिश हुई। इससे मौसम में ठंडक बढ़ गई। साथ ही किसानों की चिंता भी बढ़ गई है। कई किसानों के खेतों में गेहूं की फसल कटाई के लिए तैयार है। बारिश से इन फसलों को नुकसान की आशंका है।

पिछले कुछ दिनों से लोगों को दिन में तेज गर्मी का सामना करना पड़ रहा था। मौसम में इस तरह के बदलाव से लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। सुबह धूप खिली थी। दोपहर में अचानक बारिश शुरू हो गई। अभी भी आसमान में बादल छाए हुए हैं। गड़गड़ाहट की आवाज सुनाई दे रही है। कलेक्टर संस्कृति जैन ने जिले के लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है। उन्होंने खेतों में काम करने वालों को सुरक्षित स्थान पर रहने को कहा है। पिछले साल गड़गड़ाहट के साथ हुई बारिश में बंडोल और छपारा क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से कुछ लोग झुलस गए थे।

डॉक्टरों ने भी सावधानी बरतने की सलाह दी है। मौसम में बदलाव से सर्दी, खांसी और बुखार हो सकता है।

जबलपुर संभाग अंडर-13 क्रिकेट टीम घोषित

सिवनी के फैज कबीर करेंगे कप्तानी, सागर में होगा टुर्नामेंट

सिवनी। राष्ट्रबाण

ए डब्ल्यू कनमाडीकर क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए जबलपुर संभाग की अंडर-13 टीम की घोषणा कर दी गई है। सागर में होने वाली इस प्रतियोगिता में सिवनी के फैज कबीर टीम की कप्तानी करेंगे। जबलपुर के विहान अग्रवाल को उप-कप्तान बनाया गया है। टीम के कोच पूर्व रणजी खिलाड़ी विक्रम जनसारी हैं।

सिवनी के वैदिक सराठे को टीम का मुख्य विकेटकीपर चुना गया है। टीम में कुल 15 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। इनमें यशोधन दुबे (नरसिंहपुर), आकाश सिंह ठाकुर (जबलपुर), अभ्युदय प्रताप सिंह (जबलपुर), आराध्य झारिया (जबलपुर), देव बिस्वास (कटनी), आराध्य शर्मा (जबलपुर), तन्मय चंद्रोल (डिंडोरी), हर्षित बघेल (डिंडोरी), यश पटेल (जबलपुर), शक्ति नेमा (नरसिंहपुर), प्रखर उपाध्याय (छिंदवाड़ा) और तोसीफ अहमद (कटनी) शामिल हैं।

स्टैंडबाय खिलाड़ियों में आर्यन रघुवंशी (छिंदवाड़ा), वीर ठाकुर (सिवनी), आदित्य मिश्रा (जबलपुर) और अथर्व डहरिया (सिवनी) को रखा गया है। कप्तान फैज कबीर पिछले साल भी इसी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। इसी की बदौलत उनका चयन एमपी क्रिकेट बोर्ड में हुआ। वर्तमान में वे एमपीसीए द्वारा उज्जैन में आयोजित कैंप में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी है। अध्यक्ष राजकुमार खुराना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गुरु दीक्षित, सचिव शाहिद नजीर समेत अन्य पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

कार्यालय ग्राम पंचायत अंखीवाड़ा
जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी मप्र

अंखीवाड़ा दिनांक 03/04/2025

// निविदा कोटेशन आमंत्रण //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत अंखीवाडा जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी म.प्र. अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु मनरेगा स्कीम मप्र, 15 वां वित्त, 5 वॉं वित्त, एसबीएम विधायक निधि, सांसद निधि, परफारमेंस ग्रांट व अन्य विभिन्न मदों के तहत समस्त निर्माण कार्यो, कार्यालयीन सामग्री, एवं अन्य आवश्यक सामग्र, परिवहन भाड़ा इत्यादि हेतु सीमेंट, गिट्टी, रेत, लोहा, तार, खीले, आरसीसी पाइप, पॉलीथीन, ईट, मुरम, गिट्टी, शांतिधाम शेड, लोहे की जाली, आवश्यक निर्माण सामग्री, विद्युत सामग्री, पीवीसी पाइप, स्वच्छता सामग्री, जीएसबी बजरी, मिक्सर मशीन किराया, बाईब्रेटर किराया, प्लाउ किराया, पानी टेंकर परिवहन किराया, कार्यालयीन सामग्री एवं समस्त आवश्यक सामग्री की आवश्यकता है। अतः उपरोक्त सामग्री के कोटेशन निविदा पंजीकृत फर्मो से बंद लिफाफे में दि. 03/04/2025 से 10/04/2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत भवन अंखीवाडा में आमंत्रित की जाती है एवं दिनांक 10/04/2025 को प्राप्त निविदा/कोटेशन खोले जायेंगे एवं भण्डार क्रय नियमों व शर्तो का अवलोकन ग्राम पंचायत अंखीवाडा कार्यालय में किया जा सकता है।

श्रीमति ललिता/सुनील कुमार पंद्रे, सरपंच — एम.एन. खान, सचिव — जागेश्वर पारधी, उपसरपंच

कार्यालय ग्राम पंचायत मानेगांवकलां
जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी मप्र

मानेगांवकलां दिनांक 03/04/2025

// निविदा कोटेशन आमंत्रण //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मानेगांवकलां जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी म.प्र. अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु मनरेगा स्कीम मप्र, 15वां वित्त, 5वॉं वित्त, एसबीएम विधायक निधि, सांसद निधि, परफारमेंस ग्रांट व अन्य विभिन्न मदों के तहत समस्त निर्माण कार्यो, कार्यालयीन सामग्री, एवं अन्य आवश्यक सामग्र, परिवहन भाड़ा इत्यादि हेतु सीमेंट, गिट्टी, रेत, लोहा, तार, खीले, आरसीसी पाइप, पॉलीथीन, ईट, मुरम, गिट्टी, शांतिधाम शेड, लोहे की जाली, आवश्यक निर्माण सामग्री, विद्युत सामग्री, पीवीसी पाइप, स्वच्छता सामग्री, जीएसबी बजरी, मिक्सर मशीन किराया, बाईब्रेटर किराया, प्लाउ किराया, पानी टेंकर परिवहन किराया, कार्यालयीन सामग्री एवं समस्त आवश्यक सामग्री की आवश्यकता है। अतः उपरोक्त सामग्री के कोटेशन निविदा पंजीकृत फर्मो से बंद लिफाफे में दि. 03/04/2025 से 10/04/2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत भवन मानेगांवकलां में आमंत्रित की जाती है एवं दि. 10/04/2025 को प्राप्त निविदा/कोटेशन खोले जायेंगे एवं भण्डार क्रय नियमों व शर्तो का अवलोकन ग्राम पंचायत अंखीवाडा कार्यालय में किया जा सकता है।

राजेन्द्र बिसेन, सरपंच — एन.के. मासुरकर, सचिव — श्रीमती योगिता ठाकुर, उपसरपंच

कार्यालय ग्राम पंचायत सैला
जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी मप्र

सैला दिनांक 03/04/2025

// निविदा कोटेशन आमंत्रण //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सैला जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी म.प्र. अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु मनरेगा स्कीम मप्र, 15वां वित्त, 5वॉं वित्त, एसबीएम विधायक निधि, सांसद निधि, परफारमेंस ग्रांट व अन्य विभिन्न मदों के तहत समस्त निर्माण कार्यो, कार्यालयीन सामग्री, एवं अन्य आवश्यक सामग्र, परिवहन भाड़ा इत्यादि हेतु सीमेंट, गिट्टी, रेत, लोहा, तार, खीले, आर सी सी पाइप, पॉलीथीन, ईट, मुरम, गिट्टी, शांतिधाम शेड, लोहे की जाली, आवश्यक निर्माण सामग्री, विद्युत सामग्री, पीवीसी पाइप, स्वच्छता सामग्री, जीएसबी बजरी, मिक्सर मशीन किराया, बाईब्रेटर किराया, प्लाउ किराया, पानी टेंकर परिवहन किराया, कार्यालयीन सामग्री एवं समस्त आवश्यक सामग्री की आवश्यकता है। अतः उपरोक्त सामग्री के कोटेशन निविदा पंजीकृत फर्मो से बंद लिफाफे में दि. 03/04/2025 से 10/04/2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत भवन सैला में आमंत्रित की जाती है एवं दिनांक 10/04/2025 को प्राप्त निविदा / कोटेशन खोले जायेंगे एवं भण्डार क्रय नियमों व शर्तो का अवलोकन ग्राम पंचायत सैला कार्यालय में किया जा सकता है।

श्रीमती उर्मिला रामसिंह चौहान, सरपंच — द्वारसिंह पटले, सचिव — श्रीमती उर्मिला राहंगडाले, उपसरपंच

कार्यालय ग्राम पंचायत मंढी
जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी मप्र

मंढी दिनांक 03/04/2025

// निविदा कोटेशन आमंत्रण //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मंढी जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी म.प्र. अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु मनरेगा स्कीम मप्र, 15वां वित्त, 5वॉं वित्त, एसबीएम विधायक निधि, सांसद निधि, परफारमेंस ग्रांट व अन्य विभिन्न मदों के तहत समस्त निर्माण कार्यो, कार्यालयीन सामग्री, एवं अन्य आवश्यक सामग्र, परिवहन भाड़ा इत्यादि हेतु सीमेंट, गिट्टी, रेत, लोहा, तार, खीले, आर सी सी पाइप, पॉलीथीन, ईट, मुरम, गिट्टी, शांतिधाम शेड, लोहे की जाली, आवश्यक निर्माण सामग्री, विद्युत सामग्री, पीवीसी पाइप, स्वच्छता सामग्री, जीएसबी बजरी, मिक्सर मशीन किराया, बाईब्रेटर किराया, प्लाउ किराया, पानी टेंकर परिवहन किराया, कार्यालयीन सामग्री एवं समस्त आवश्यक सामग्री की आवश्यकता है। अतः उपरोक्त सामग्री के कोटेशन निविदा पंजीकृत फर्मो से बंद लिफाफे में दि. 03/04/2025 से 10/04/2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत भवन मंढी में आमंत्रित की जाती है एवं दिनांक 10/04/2025 को प्राप्त निविदा / कोटेशन खोले जायेंगे एवं भण्डार क्रय नियमों व शर्तो का अवलोकन ग्राम पंचायत मंढी कार्यालय में किया जा सकता है।

कैलाश फागूलाल उइके, सरपंच — सुनील बिसेन, सचिव — बबली लांझेवार, उपसरपंच

कार्यालय ग्राम पंचायत धपारा
जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी मप्र

धपारा दिनांक 03/04/2025

// निविदा कोटेशन आमंत्रण //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत धपारा जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी म.प्र. अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु मनरेगा स्कीम मप्र, 15वां वित्त, 5वॉं वित्त, एसबीएम विधायक निधि, सांसद निधि, परफारमेंस ग्रांट व अन्य विभिन्न मदों के तहत समस्त निर्माण कार्यो, कार्यालयीन सामग्री, एवं अन्य आवश्यक सामग्र, परिवहन भाड़ा इत्यादि हेतु सीमेंट, गिट्टी, रेत, लोहा, तार, खीले, आर सी सी पाइप, पॉलीथीन, ईट, मुरम, गिट्टी, शांतिधाम शेड, लोहे की जाली, आवश्यक निर्माण सामग्री, विद्युत सामग्री, पीवीसी पाइप, स्वच्छता सामग्री, जीएसबी बजरी, मिक्सर मशीन किराया, बाईब्रेटर किराया, प्लाउ किराया, पानी टेंकर परिवहन किराया, कार्यालयीन सामग्री एवं समस्त आवश्यक सामग्री की आवश्यकता है। अतः उपरोक्त सामग्री के कोटेशन निविदा पंजीकृत फर्मो से बंद लिफाफे में दि. 03/04/2025 से 10/04/2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत भवन धपारा में आमंत्रित की जाती है एवं दिनांक 10/04/2025 को प्राप्त निविदा / कोटेशन खोले जायेंगे एवं भण्डार क्रय नियमों व शर्तो का अवलोकन ग्राम पंचायत धपारा कार्यालय में किया जा सकता है।

नंदकिशोर पटले, सरपंच — खुमानसिंह उइके, सचिव — उपसरपंच

कार्यालय ग्राम पंचायत दुल्हापुर
जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी मप्र

दुल्हापुर दिनांक 03/04/2025

// निविदा कोटेशन आमंत्रण //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत दुल्हापुर जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी म.प्र. अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु मनरेगा स्कीम मप्र, 15वां वित्त, 5वॉं वित्त, एसबीएम विधायक निधि, सांसद निधि, परफारमेंस ग्रांट व अन्य विभिन्न मदों के तहत समस्त निर्माण कार्यो, कार्यालयीन सामग्री, एवं अन्य आवश्यक सामग्र, परिवहन भाड़ा इत्यादि हेतु सीमेंट, गिट्टी, रेत, लोहा, तार, खीले, आर सी सी पाइप, पॉलीथीन, ईट, मुरम, गिट्टी, शांतिधाम शेड, लोहे की जाली, आवश्यक निर्माण सामग्री, विद्युत सामग्री, पीवीसी पाइप, स्वच्छता सामग्री, जीएसबी बजरी, मिक्सर मशीन किराया, बाईब्रेटर किराया, प्लाउ किराया, पानी टेंकर परिवहन किराया, कार्यालयीन सामग्री एवं समस्त आवश्यक सामग्री की आवश्यकता है। अतः उपरोक्त सामग्री के कोटेशन निविदा पंजीकृत फर्मो से बंद लिफाफे में दि. 03/04/2025 से 10/04/2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत भवन दुल्हापुर में आमंत्रित की जाती है एवं दिनांक 10/04/2025 को प्राप्त निविदा/कोटेशन खोले जायेंगे एवं भण्डार क्रय नियमों व शर्तो का अवलोकन ग्राम पंचायत दुल्हापुर कार्यालय में किया जा सकता है।

आशीष श्रीराम मेश्राम, सरपंच — देवीसिंह उइके, सचिव — उपसरपंच

कार्यालय ग्राम पंचायत बुढ़ैनाखुर्द
जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी मप्र

बुढ़ैनाखुर्द दिनांक 03/04/2025

// निविदा कोटेशन आमंत्रण //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बुढ़ैनाखुर्द जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी म.प्र. अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु मनरेगा स्कीम मप्र, 15वां वित्त, 5वॉं वित्त, एसबीएम विधायक निधि, सांसद निधि, परफारमेंस ग्रांट व अन्य विभिन्न मदों के तहत समस्त निर्माण कार्यो, कार्यालयीन सामग्री, एवं अन्य आवश्यक सामग्र, परिवहन भाड़ा इत्यादि हेतु सीमेंट, गिट्टी, रेत, लोहा, तार, खीले, आर सी सी पाइप, पॉलीथीन, ईट, मुरम, गिट्टी, शांतिधाम शेड, लोहे की जाली, आवश्यक निर्माण सामग्री, विद्युत सामग्री, पीवीसी पाइप, स्वच्छता सामग्री, जीएसबी बजरी, मिक्सर मशीन किराया, बाईब्रेटर किराया, प्लाउ किराया, पानी टेंकर परिवहन किराया, कार्यालयीन सामग्री एवं समस्त आवश्यक सामग्री की आवश्यकता है। अतः उपरोक्त सामग्री के कोटेशन निविदा पंजीकृत फर्मो से बंद लिफाफे में दि. 03/04/2025 से 10/04/2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत भवन बुढ़ैनाखुर्द में आमंत्रित की जाती है एवं दि. 10/04/2025 को प्राप्त निविदा / कोटेशन खोले जायेंगे एवं भण्डार क्रय नियमों व शर्तो का अवलोकन ग्राम पंचायत बुढ़ैनाखुर्द कार्यालय में किया जा सकता है।

वीणा उमाशंकर टेमरे, सरपंच — हेमराज राहंगडाले, सचिव — उपसरपंच

कार्यालय ग्राम पंचायत अंतरा
जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी मप्र

अंतरा दिनांक 03/04/2025

// निविदा कोटेशन आमंत्रण //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत अंतरा जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी म.प्र. अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु मनरेगा स्कीम मप्र, 15वां वित्त, 5वॉं वित्त, एसबीएम विधायक निधि, सांसद निधि, परफारमेंस ग्रांट व अन्य विभिन्न मदों के तहत समस्त निर्माण कार्यो, कार्यालयीन सामग्री, एवं अन्य आवश्यक सामग्र, परिवहन भाड़ा इत्यादि हेतु सीमेंट, गिट्टी, रेत, लोहा, तार, खीले, आर सी सी पाइप, पॉलीथीन, ईट, मुरम, गिट्टी, शांतिधाम शेड, लोहे की जाली, आवश्यक निर्माण सामग्री, विद्युत सामग्री, पीवीसी पाइप, स्वच्छता सामग्री, जीएसबी बजरी, मिक्सर मशीन किराया, बाईब्रेटर किराया, प्लाउ किराया, पानी टेंकर परिवहन किराया, कार्यालयीन सामग्री एवं समस्त आवश्यक सामग्री की आवश्यकता है। अतः उपरोक्त सामग्री के कोटेशन निविदा पंजीकृत फर्मो से बंद लिफाफे में दि. 03/04/2025 से 10/04/2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत भवन अंतरा में आमंत्रित की जाती है एवं दिनांक 10/04/2025 को प्राप्त निविदा / कोटेशन खोले जायेंगे एवं भण्डार क्रय नियमों व शर्तो का अवलोकन ग्राम पंचायत अंतरा कार्यालय में किया जा सकता है।

नीतू राजेश कुमार चौधरी, सरपंच — हिम्मतसिंह पटले, सचिव — उपसरपंच

कार्यालय ग्राम पंचायत काठी
जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी मप्र

काठी दिनांक 03/04/2025

// निविदा कोटेशन आमंत्रण //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत काठी जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी म.प्र. अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु मनरेगा स्कीम मप्र, 15वां वित्त, 5वॉं वित्त, एसबीएम विधायक निधि, सांसद निधि, परफारमेंस ग्रांट व अन्य विभिन्न मदों के तहत समस्त निर्माण कार्यो, कार्यालयीन सामग्री, एवं अन्य आवश्यक सामग्र, परिवहन भाड़ा इत्यादि हेतु सीमेंट, गिट्टी, रेत, लोहा, तार, खीले, आर सी सी पाइप, पॉलीथीन, ईट, मुरम, गिट्टी, शांतिधाम शेड, लोहे की जाली, आवश्यक निर्माण सामग्री, विद्युत सामग्री, पीवीसी पाइप, स्वच्छता सामग्री, जीएसबी बजरी, मिक्सर मशीन किराया, बाईब्रेटर किराया, प्लाउ किराया, पानी टेंकर परिवहन किराया, कार्यालयीन सामग्री एवं समस्त आवश्यक सामग्री की आवश्यकता है। अतः उपरोक्त सामग्री के कोटेशन निविदा पंजीकृत फर्मो से बंद लिफाफे में दि. 03/04/2025 से 10/04/2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत भवन काठी में आमंत्रित की जाती है एवं दिनांक 10/04/2025 को प्राप्त निविदा / कोटेशन खोले जायेंगे एवं भण्डार क्रय नियमों व शर्तो का अवलोकन ग्राम पंचायत काठी कार्यालय में किया जा सकता है।

महेश झलीराम मात्रे, सरपंच — लक्ष्मीप्रसाद पंचेश्वर, सचिव — उपसरपंच

कार्यालय ग्राम पंचायत लोहमारा
जनपद पंचायत कटंगी जिला बालाघाट मप्र

लोहमारा दिनांक 03/04/2025

// निविदा कोटेशन आमंत्रण //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत लोहमारा जनपद पंचायत कटंगी जिला बालाघाट म.प्र. अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु मनरेगा स्कीम मप्र, 15वां वित्त, 5वॉं वित्त, एसबीएम विधायक निधि, सांसद निधि, परफारमेंस ग्रांट व अन्य विभिन्न मदों के तहत समस्त निर्माण कार्यो, कार्यालयीन सामग्री, एवं अन्य आवश्यक सामग्र, परिवहन भाड़ा इत्यादि हेतु सीमेंट, गिट्टी, रेत, लोहा, तार, खीले, आर सी सी पाइप, पॉलीथीन, ईट, मुरम, गिट्टी, शांतिधाम शेड, लोहे की जाली, आवश्यक निर्माण सामग्री, विद्युत सामग्री, पीवीसी पाइप, स्वच्छता सामग्री, जीएसबी बजरी, मिक्सर मशीन किराया, बाईब्रेटर किराया, प्लाउ किराया, पानी टेंकर परिवहन किराया, कार्यालयीन सामग्री एवं समस्त आवश्यक सामग्री की आवश्यकता है। अतः उपरोक्त सामग्री के कोटेशन निविदा पंजीकृत फर्मो से बंद लिफाफे में दि. 03/04/2025 से 10/04/2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत भवन लोहमारा में आमंत्रित की जाती है एवं दिनांक 10/04/2025 को प्राप्त निविदा/कोटेशन खोले जायेंगे एवं भण्डार क्रय नियमों व शर्तो का अवलोकन ग्राम पंचायत लोहमारा कार्यालय में किया जा सकता है।

सुंदरलाल बिन्झाड़े, सरपंच — दिनेश राहंगडाले, सचिव — उपसरपंच

कार्यालय ग्राम पंचायत लावासर्रा
जनपद पंचायत कुरई जिला सिवनी मप्र

अंतरा दिनांक 03/04/2025

// निविदा कोटेशन आमंत्रण //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत लावासर्रा जनपद पंचायत कुरई जिला सिवनी म.प्र. अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु मनरेगा स्कीम मप्र, 15वां वित्त, 5वॉं वित्त, एसबीएम विधायक निधि, सांसद निधि, परफारमेंस ग्रांट व अन्य विभिन्न मदों के तहत समस्त निर्माण कार्यो, कार्यालयीन सामग्री, एवं अन्य आवश्यक सामग्र, परिवहन भाड़ा इत्यादि हेतु सीमेंट, गिट्टी, रेत, लोहा, तार, खीले, आर सी सी पाइप, पॉलीथीन, ईट, मुरम, गिट्टी, शांतिधाम शेड, लोहे की जाली, आवश्यक निर्माण सामग्री, विद्युत सामग्री, पीवीसी पाइप, स्वच्छता सामग्री, जीएसबी बजरी, मिक्सर मशीन किराया, बाईब्रेटर किराया, प्लाउ किराया, पानी टेंकर परिवहन किराया, कार्यालयीन सामग्री एवं समस्त आवश्यक सामग्री की आवश्यकता है। अतः उपरोक्त सामग्री के कोटेशन निविदा पंजीकृत फर्मो से बंद लिफाफे में दि. 03/04/2025 से 10/04/2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत भवन लावासर्रा में आमंत्रित की जाती है एवं दिनांक 10/04/2025 को प्राप्त निविदा/कोटेशन खोले जायेंगे एवं भण्डार क्रय नियमों व शर्तो का अवलोकन ग्राम पंचायत लावासर्रा कार्यालय में किया जा सकता है।

सुभाष धुर्वे, सरपंच — परसराम साहू, सचिव — सुनीता उइके, उपसरपंच

कार्यालय ग्राम पंचायत पिपरिया
जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी मप्र

पिपरिया दिनांक 03/04/2025

// निविदा कोटेशन आमंत्रण //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पिपरिया जनपद पंचायत बरघाट जिला सिवनी म.प्र. अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु मनरेगा स्कीम मप्र, 15वां वित्त, 5वॉं वित्त, एसबीएम विधायक निधि, सांसद निधि, परफारमेंस ग्रांट व अन्य विभिन्न मदों के तहत समस्त निर्माण कार्यो, कार्यालयीन सामग्री, एवं अन्य आवश्यक सामग्र, परिवहन भाड़ा इत्यादि हेतु सीमेंट, गिट्टी, रेत, लोहा, तार, खीले, आर सी सी पाइप, पॉलीथीन, ईट, मुरम, गिट्टी, शांतिधाम शेड, लोहे की जाली, आवश्यक निर्माण सामग्री, विद्युत सामग्री, पीवीसी पाइप, स्वच्छता सामग्री, जीएसबी बजरी, मिक्सर मशीन किराया, बाईब्रेटर किराया, प्लाउ किराया, पानी टेंकर परिवहन किराया, कार्यालयीन सामग्री एवं समस्त आवश्यक सामग्री की आवश्यकता है। अतः उपरोक्त सामग्री के कोटेशन निविदा पंजीकृत फर्मो से बंद लिफाफे में दि. 03/04/2025 से 10/04/2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत भवन पिपरिया में आमंत्रित की जाती है एवं दिनांक 10/04/2025 को प्राप्त निविदा/कोटेशन खोले जायेंगे एवं भण्डार क्रय नियमों व शर्तो का अवलोकन ग्राम पंचायत पिपरिया कार्यालय में किया जा सकता है।

संतोष फकीरचंद पटले, सरपंच — जितेन्द्र पटले, सचिव/रोज.सहायक — उपसरपंच

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायलयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433